न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED

(भारत सरकार का उद्यम A Government of India Enterprise)

निगम संचार समूह Corporate Communications Group

October 12, 2022

‘जैव-विविधता संरक्षण व गंगा पुनरुद्धार-एनपीसीआईएल के साथ वर्ष 2016 से अनूठी भागीदारी’’ पुस्तक का विमोचन

Inauguration of the Book “Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation – A Unique Partnership with NPCIL Since 2016”.

गत 11 अक्तूबर, 2022 को एनएमसीजी कार्यालय-नई दिल्ली में श्री जी. अशोक कुमार, आईएएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी)-नमामि गंगे व श्री एम.वेंकटाचलम, अधिशासी निदेशक (सीपी व सीसी), एनपीसीआईएल तथा डॉ. रुचि बडोला, वरिष्ठ प्रोफेसर, पर्यावरण-विकास योजना व सहभागी प्रबंधन, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू डब्ल्यू आई) व डॉ. एस.ए.हुसैन, भारतीय वन्यजीव संस्थान में नमामि गंगे परियोजना के परियोजना निदेशक द्वारा ‘जैव-विविधता संरक्षण व गंगा पुनरुद्धार-एनपीसीआईएल के साथ वर्ष 2016 से अनूठी भागीदारी’’ पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में, भारत सरकार के कार्यक्रम- नमामि गंगे में वर्ष 2016 से एनपीसीआईएल व भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए कार्यकलापों, प्रयासों, कार्यक्रम क्रियान्वयन का चित्रण किया गया है।

Mr. G. Ashok Kumar, IAS, Director General of National Mission for Clean Ganga (NMCG) – Namami Gange and Mr. M. Venkatachalam, ED (CP&CC), NPCIL, and Dr. Ruchi Badola, Senior Professor, Department of Eco - development Planning & Participatory Management, Wildlife Institute of India (WII), and Dr. S.A. Hussain, Project Director of Namami Ganga Programme at WII, have inaugurated the book titled “Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation – A Unique Partnership with NPCIL Since 2016”, at NMCG office – New Delhi on October 11, 2022. This book showcases activities, initiatives, programmes implemented by NPCIL and Wildlife Institute of India (WII), for the Government of India Programme – Namami Gange from the year 2016.

एनपीसीआईएल, वर्ष 2016 से भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू डब्ल्यू आई) के साथ संयुक्त रूप से नमामि गंगे कार्यक्रम से संबद्ध है। अनेक कार्यकलाप, जैसे संरक्षण जागरूकता, पक्षी उत्सव, बर्ड मैराथन, प्रशिक्षण कार्यक्रम सेमिनार, कार्यस्थल प्रशिक्षण, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कछुआ सुविधा उन्नयन, गंगा जलीय जीव बचाव व पुनर्स्थापन केंद्र, समुदाय आधारित संरक्षण कार्यक्रम, आजीविका एवं पुनर्स्थापन कार्यक्रम, वन्यजीव सप्ताह का आयोजन, ‘रग-रग में गंगा’ फिल्म का विकास व प्रसारण, पृथ्वी सप्ताह समारोह, वन महोत्सव, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व आर्द्र भूमि दिवस, विश्व प्रवासी पक्षी दिवस, विश्व कछुआ दिवस, विश्व घड़ियाल दिवस, स्लोगन, पेंटिंग, पैनलों, गंगा उत्सव, नदी उत्सव आदि के माध्यम से व्यापक जागरूकता, आदि को क्रियान्वित किया गया। हमारे पर्यावरण परिचर्या कार्यक्रम (ईएसपी) के माध्यम से हम, एनएपीएस के निकटवर्ती क्षेत्रों में इन कार्यकलापों से जुड़े रहे हैं। हमारे ईएसपी कार्यक्रम के माध्यम से न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के निकटवर्ती क्षेत्रों में जैव-विविधता का संरक्षण किया जाता है।

NPCIL is associated with Namami Gange Programme from 2016 in partnership with WII. This is a unique partnership of NPCIL with WII. A large number of activities like: Conservation Awareness, Bird

Festivals, Bird Marathons, Training Programs, Seminars, Field Trainings, Online Trainings, Upgradation of Turtle Facility, Establishment of Ganga Aqua life Rescue & Rehabilitation Centre, Community based Conservation Programmes, Livelihood & Conservation Programmes, Wildlife Week Celebration, Rag Rag Mein Ganga Film Development & Telecast, Earth Week Celebration, Van Mohatsav, Celebration of World Environment Day – Wold Wetland Day – World Migratory Bird Day – World Turtle Day – World Crocodile Day, Mass Awareness through Slogan – Paining – Panels, Ganga Utsav, Nadi Utsav etc., are implemented. Through our Environment Stewardship Programme (ESP) we are associated with these activities in and around NAPS. Our ESP programme is for the conservation of bio-diversity in and around our nuclear power plants.

(एस.के.जेना S. K. Jena)
वरिष्ठ प्रबंधक Senior Manager (एचआर-सीसी HR-CC)

आयोजन की कुछ झलकियां Some of the glimpses of the occasion:

('जैव-विविधता संरक्षण व गंगा पुनरुद्धार-एनपीसीआईएल के साथ वर्ष 2016 से अनूठी भागीदारी'' पुस्तक की एक झलक)

(A glimpse of the Book "Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation – A Unique Partnership with NPCIL Since 2016".)

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

(श्री जीअशोक कुमार ., आईएएस, (सबसे बाईं ओर), श्री एमवेंकटाचलम., डॉरुचि बडोला ., डॉहुसैन.ए.एस . (दाहिनी ओर से दूसरे स्थान पर) व श्री गौतम मुखर्जी द्वारा विभिन्न कार्यकलापों पर चर्चा)

(Mr. G. Ashok Kumar (extreme left), Mr. M. Venkatachalam, Dr. Ruchi Badola, Dr. S.A. Hussain (2nd from right) and Mr. Gautam Mukerjee having discussion on various activities.)

(एनएमसीजी, डब्ल्यूडब्ल्यूआई व एनपीसीआईएल के पदाधिकारीगण विभिन्न कार्यकलापों पर चर्चा करते हुए)
(Officials of NMCG, WII, and NPCIL having discussion on activities.)

(पुस्तक का विमोचन करते हुए श्री जीअशोक कुमार ., आईएएस, (सबसे बाईं ओर), श्री एमवेंकटाचलम., डॉरुचि बडोला ., डॉ . हुसैन.ए.एस (दाहिनी ओर से दूसरे स्थान पर), श्री गौतम मुखर्जी व श्री संदीप बेहरा- अधिशासी निदेशक, एनएमसीजी (सबसे दाहिनी ओर),
(Mr. G. Ashok Kumar, Mr. M. Venkatachalam, Dr. Ruchi Badola, Dr. S.A. Hussain, Mr. Gautam Mukerjee and Dr. Sandeep Behera – Executive Director of NMCG (extreme right) unveiling the book.)

(पुस्तक विमोचन के पश्चात एनएमसीजी, डब्ल्यूडब्ल्यूआई व एनपीसीआईएल के पदाधिकारीगण)

(Officials of NMCG, WII and NPCIL with the unveiled book.)